B.R.A.B.U. Muzaffarpur.

Degree -1st. Paper-II

## ग्रामीण समुदाय (Village Community)

जिस प्रकार विभिन्न विद्वानों ने 'ग्राम' शब्द को भिन्न-भिन्न प्रकार से स्पष्ट किया है उसी प्रकार 'ग्रामीण' शब्दों के विवेचन में भी भिन्नता देखने को मिलती है। किस स्थान अथवा किस विशेषता को ग्रामीण माना जाय ? यह एक जटिल प्रश्न है। यदि हम किसी विशेष क्षेत्र को ग्रामीण क्षेत्र कहें तो यह कठिनाई सामने आती है कि उस क्षेत्र के अन्दर एक-दूसरे बहुत भिन्न विशेषताएँ प्रदर्शित करने वाले लोग साथ-साथ रहते हैं। यदि हम कुछ प्रमुख विशेषताओं को ग्रामीण शब्द से सम्बन्धित मानें तो एक ही स्थान पर इन विशेषताओं में बहुत अधिक भिन्नता पाई जाती है। यदि सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन को आधार माना जाय तो अनेक ऐसे समूहों

को भी ग्रामीण कहा जा सकता है जो नगरों में निवास करते हैं लेकिन सामाजिक और आर्थिक स्तर पर वह बहुत कुछ पिछड़े हुए होते हैं। इस समस्या का समाधान करते हुए मैकाइवर का कथन है कि "ग्रामीण शब्द किसी भौगोलिक स्थिति को स्पष्ट नहीं करता बल्कि यह सामुदायिक जीवन के एक विशेष स्वरूप को स्पष्ट करता है।" यह स्वरूप क्या है ? इसे बताते हुए लैंडिस (Landis) ने लिखा है कि जिस समूह में निम्नलिखित तीन विशेषताएँ पाई जाती हों उसी समूह को ग्रामीण कहा जा सकता है :—

(क) वह समूह जो प्रत्यक्ष रूप से प्रकृति पर निर्भर हो,

(ख) जिसका आकार सीमित हो, तथा

(ग) जिसमें सदस्यों के बीच घनिष्ठ और प्राथमिक सम्बन्ध पाये जाते हों।

इस प्रकार यह निष्कर्ष निकलता है कि 'ग्रामीण' शब्द एक ऐसी विशेषता का बोध कराता है जिसमें प्रकृति पर निर्भरता, सम्बन्धों में घनिष्ठता तथा छोटे आकार जैसे तत्वों का समावेश हो। इस अवधारणा के आधार पर ग्रामीण समुदाय को परिभाषित करना सरल हो जाता है।

मैरिल तथा एलरिज (Merrill and Elridge) के शब्दों में "ग्रामीण समुदाय एक ऐसा समुदाय है जिसमें व्यक्ति और संस्थाएँ एक छोटे से केन्द्र के चारों ओर संगठित होती हैं तथा जिसके अन्तर्गत

सभी सदस्य सामान्य और प्राथमिक हितों द्वारा एक-दूसरे से बँधे रहते हैं।"
सामान्य शब्दों में कहा जा सकता है कि ग्रामीण समुदाय ग्रामीण पर्यावरण में स्थित व्यक्तियों का कोई भी वह छोटा या बड़ा समूह है जो प्रत्यक्ष रूप से प्रकृति पर निर्भर होता है, कृषि के द्वारा अपनी आजीविका उपार्जित करता है, प्राथमिक सम्बन्धों को अपने लिए आवश्यक मानता है तथा एक दृढ़ सामुदायिकता की भावना से बँधा रहता है।